तहत सरकार का ध्यान मेरे निर्वाचन क्षेत्र चित्तौड़गढ़ में स्थित राणा प्रताप सागर एटोमिक पावर प्रोजेक्ट की निरन्तर खराबी की तरफ आकर्षित करना चाहूंगी। यह प्रोजेक्ट भारत तथा कनाडा दोनों के सहयोग से तैयार हुआ था जिसकी एक यूनिट की क्षमता 220 मैगावाट थी। यह प्रोजेक्ट अपने प्रारम्भिक काल में केवल तीन महीने अधिकतम चला। उसके बाद से इसमें बराबर कोई न कोई खराबी आती रही। इसमें "हैवी वाटर" के रसाव की वजह से इस को बन्द कर दिया गया है।

कैनेडियन सरकार से बनाने में सहयोग तो हमने लिया पर इसके सुधार की तकनीकी पर अभी तक शायद हम काबू नहीं पा सके हैं, इसीलिए इसकी एक यूनिट जिसकी क्षमता 220 मैगावाट है, पूर्णतया बन्द है। इससे राजस्थान राज्य की सभी महत्वाकांक्षी योजनाओं को भारी आघात लगा है। राज्य के उद्योग तथा कृषि को भारी नुकसान हुआ है।

मैं सरकार से मांग करूंगी कि यहां रावतभाटा में परमाणु बिजली संयत्र का ढांचा तो पहले से ही तैयार है। यहां पूर्णतः स्वदेशी तकनीकी से दो परमाणु ऊर्जा सयंत्र और लगाये जा सकते हैं। कृपया इसे अतिआवश्यक समझकर राजस्थान जैसे पिछड़े प्रांत की अर्थव्यवस्था को बिगड़ने से बचावें।

SHRI SATISA AGARWAL (Juipur): This is an important issue regarding a power project in Rajasthan. We are all with you.

(v) Need to harness the development potential of Jammu and Kashmir State

PROF. SAIFUDDIN SOZ (Baramulla): The Jammu & Kashmir State deserves special attention in so far as its overall development is concerned. It has lagged behied in industrial development as is evident from the fact that it received 0.06 per cent of the investment made by the Central Government for Public Sector industries since independence. The Stase has not benefited satisfactorily from the development of railways as is evident from the fact that even after a favourable survey report, the railway line could not be laid between Gazigund and Baramulla. The State has vast hydel power which has not been harnessed to the advantage not only of the State, but to the advantage of the country. There is need to harness the State's potential for sizeable development in the State so that it compares favourably with other States in India.

(vi) Need to provide more Telephone facilities in certain areas of Madhya Pradesh

श्री सत्यनारायण जटिया (उज्जैन): उपाध्यक्ष महोदय, देश में और मध्य प्रदेश में टेलीफोन कनेक्शन के लिए काफी समय तक प्रतिक्षा करनी होती है। मध्य प्रदेश में भोपाल, इन्दौर, उज्जैन सहित अनेक नगरों में कई-कई वर्षों से लोग टेलीफोन कनेक्शन के लिए प्रतिक्षा-रत हैं। टेलीफोन केन्द्रों के विस्तार का कार्यक्रम अपेक्षा और मांग के अनुरूप नहीं किया जा रहा है। उज्जैन, रतलाम, नीमच के दूरभाष केन्द्र के विस्तार कार्य कई वर्षों से पूरे नहीं हुए हैं। इसके कारण जनता को टेलीफोन कनेक्शन नहीं मिल पा रहे हैं। आलोट से ताल के बीच की सीधी दूरभाष सेवा उपलब्ध नहीं है जबकि ताल आलोट एक ही तहसील में हैं। गांवों में पी० सी० ओ० तथा छोटे टेलीफोन केन्द्रों को अधिक संख्या में खोले जाने की आवश्यकता है जिससे गांवों का नगरों से सीधा सम्पर्क हो सके।

दूरभाष केन्द्रों को अधिक कार्यक्षम